some important topics of Mohammedan Law

1. *Sources of Mohammedan Law*: Understanding the primary sources of Mohammedan Law, including the Quran, Hadith, Ijma, and Qiyas.
2. *Marriage*: Knowledge of the essentials of a valid marriage, types of marriage, and the rights and obligations of spouses.
3. *Talaq*: Understanding the different types of talaq, including talaq-e-ahsan, talaq-e-hasan, and talaq-e-biddat, and the procedures for divorce.
4. *Inheritance*: Familiarity with the principles of inheritance under Mohammedan Law, including the distribution of property among heirs.
5. *Wills*: Understanding the rules governing wills under Mohammedan Law, including the limitations on testamentary power.
6. *Guardianship*: Knowledge of the rules governing guardianship under Mohammedan Law, including the appointment of guardians and their powers.
7. *Maintenance*: Understanding the rules governing maintenance under Mohammedan Law, including the obligation of husbands to maintain their wives and children.
8. *Pre-emption*: Familiarity with the concept of pre-emption under Mohammedan Law, including the right of pre-emption and its exercise.
9. *Gift*: Understanding the rules governing gifts under Mohammedan Law, including the essentials of a valid gift.
10. *Wakf*: Knowledge of the concept of wakf under Mohammedan Law, including the creation and management of wakf properties.

Some important cases and statutes to know:

- *Shayara Bano v. Union of India* (2017): This case held that Triple Talaq is unconstitutional and invalid.
- *Mohammed Ahmed Khan v. Shah Bano Begum* (1985): This case held that a Muslim woman is entitled to maintenance under Section 125 of the CrPC.
- *The Muslim Personal Law (Shariat) Application Act, 1937*: This Act governs the application of Muslim Personal Law in India.
- *The Dissolution of Muslim Marriages Act, 1939*: This Act governs the dissolution of Muslim marriages.

It's essential to have a thorough understanding of these topics and cases to perform well in judicial service exams.

यहाँ कुछ महत्वपूर्ण विषय हैं मोहम्मडन लॉ के जो न्यायिक सेवा परीक्षाओं में अक्सर पूछे जाते हैं:

1. *मोहम्मडन लॉ के स्रोत*: मोहम्मडन लॉ के प्राथमिक स्रोतों को समझना, जिनमें कुरआन, हदीस, इज्मा और कियास शामिल हैं।

2. *विवाह*: एक वैध विवाह के आवश्यक तत्वों, विवाह के प्रकारों और पति-पत्नी के अधिकारों और दायित्वों का ज्ञान।
3. *तलाक*: तलाक के विभिन्न प्रकारों को समझना, जिनमें तलाक-ए-अहसन, तलाक-ए-हसन और तलाक-ए-बिद्दत शामिल हैं, और तलाक की प्रक्रिया।
4. *विरासत*: मोहम्मडन लॉ के तहत विरासत के सिद्धांतों का ज्ञान, जिसमें वारिसों के बीच संपत्ति का वितरण शामिल है।
5. *वसीयत*: मोहम्मडन लॉ के तहत वसीयत के नियमों का ज्ञान, जिसमें वसीयत की सीमाएँ शामिल हैं।
6. *अभिभावकत्व*: मोहम्मडन लॉ के तहत अभिभावकत्व के नियमों का ज्ञान, जिसमें अभिभावकों की नियुक्ति और उनके अधिकार शामिल हैं।
7. *भरण-पोषण*: मोहम्मडन लॉ के तहत भरण-पोषण के नियमों का ज्ञान, जिसमें पति की पत्नी और बच्चों के प्रति भरण-पोषण की जिम्मेदारी शामिल है।
8. *पूर्व-खरीद*: मोहम्मडन लॉ के तहत पूर्व-खरीद के सिद्धांत का ज्ञान, जिसमें पूर्व-खरीद का अधिकार और इसका प्रयोग शामिल है।
9. *हिबा*: मोहम्मडन लॉ के तहत हिबा के नियमों का ज्ञान, जिसमें एक वैध हिबा के आवश्यक तत्व शामिल हैं।
10. *वक्फ*: मोहम्मडन लॉ के तहत वक्फ के सिद्धांत का ज्ञान, जिसमें वक्फ संपत्तियों का निर्माण और प्रबंधन शामिल है।

कुछ महत्वपूर्ण मामले और कानून जो जानने योग्य हैं:

- *शयरा बानो बनाम भारत संघ* (2017): इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि ट्रिपल तलाक असंवैधानिक और अवैध है।
- *मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम* (1985): इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एक मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की हकदार है।
- *मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937*: यह अधिनियम भारत में मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुप्रयोग को नियंत्रित करता है।
- *द डिसोल्यूशन ऑफ मुस्लिम मैरिजेज एक्ट, 1939*: यह अधिनियम मुस्लिम विवाहों के विघटन को नियंत्रित करता है।